

विशेषाधिकारी, उच्च शिक्षा
राज्यपाल सचिवालय,
राजस्थान



राजभवन,
जयपुर - 302 006
फोन : +91-141-2228716-19

क्रमांक : एफ.1(2)आरबी/2024/654
दिनांक : 7 फरवरी, 2024

कुलपतिगण,
समस्त राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालय,
राजस्थान।

महोदय/महोदया,

डॉ. मनसुख मांडविया, माननीय मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण व रसायन एवं उर्वरक, भारत सरकार ने अ.शा.पत्र सं.डी-22/604/आईसी/नोटो/23 दिनांक 24 जनवरी, 2024 बाबत "विश्वविद्यालय के छात्रों को अंगदान के प्रति जागरूक करवाये जाने" के संबंध में, की छायाप्रति संलग्न कर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

निर्देशानुसार निवेदन है कि उक्त विषय में आवश्यक कार्यवाही करवाई जाकर कृत कार्यवाही से इस सचिवालय को अवगत करवाये जाने का श्रम करावें, ताकि तदनुसार माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय को अवगत कराया जा सके।

संलग्न:-उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

नरहरी

(नरहरी दत्त शर्मा)

Forwarded

NB/wB

Prashant Ramawatari
NCS Programme Officer

19.2.24



सत्यमेव जयते

डॉ. मनसुख मांडविया
DR. MANSUKH MANDAVIYA



मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
व रसायन एवं उर्वरक
भारत सरकार
Minister
Health & Family Welfare
and Chemicals & Fertilizers
Government of India

अ.शा.पत्र सं.डी-22/604/आईसी/नोटो/23

दिनांक 24 जनवरी, 2024

आदरणीय श्री कलराज मिश्र जी,

हम जब विकसित भारत की कल्पना करते हैं, तो एक ऐसे भारत की तस्वीर देखते हैं जिसका प्रत्येक नागरिक स्वस्थ हो। आज हमारे देश में अंग विफलता लोगों के स्वास्थ्य पर संकट बन रहा है, जिसका मुख्य कारण उपलब्ध अंगदाताओं और जिन रोगियों को अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता है, उनके बीच एक बड़ा अंतर है। ऐसे में ऑर्गन (Organ) की बढ़ती मांग और प्रतीक्षा सूची (वैटिंग लिस्ट) को कम करने के लिए देशवासियों से अनुरोध किया जा रहा है कि वे अंगदान के लिए आगे आएँ और अंग विफलता से पीड़ित व्यक्तियों में एक नए जीवन की आशा जगाएँ।

आपको यह जान कर हर्ष होगा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर अंगदान एक जनआंदोलन बन कर उभर रहा है। अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़े, इसके लिए भारत सरकार की पहल आयुष्मान भव के अंतर्गत 17 सितंबर, 2023 से नेशनल ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (National Organ & Tissue Transplant Organisation) यानी नोटो (NOTTO) के वेब पोर्टल notto.abdm.gov.in के माध्यम से शुरू किये गए अंगदान प्रतिज्ञा पंजीकरण अभियान के अंतर्गत अब तक 1,27,000 से अधिक देशवासी अंगदान की प्रतिज्ञा ले चुके हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत भी अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। क्यूआर कोड को स्कैन करके भी अंगदान प्रतिज्ञा का पंजीकरण किया जा सकता है। क्यूआर कोड **अनुलग्नक** में सलग्न है।

एक व्यक्ति द्वारा ब्रेनस्टेम मृत्युपरांत दान किये गए अंगों से 8 से 9 लोगों को नया जीवन मिलने की संभावना बनती है और ऊतकों (Tissues) से कई अन्य लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सकता है। स्वाभाविक मृत्यु के पश्चात भी ऊतकों का दान किया जा सकता है। अंग विफलता से पीड़ित किसी भी उम्र के रोगी, दान किए गए अंग प्राप्त करने के लिए देश के किसी भी प्रत्यारोपण (Transplant) अस्पताल के माध्यम से राष्ट्रीय रजिस्ट्री में अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। यह पंजीकरण निःशुल्क है। पंजीकरण और अंगदान से सम्बंधित जानकारी प्राप्त करने हेतु नोटो के टोलफ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-11-4770 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

जारी../-



सत्यमेव जयते

-2-

सरकार निरंतर अंगदान और प्रत्यारोपण को सुव्यवस्थित करने की दिशा में प्रयासरत हैं ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद देशवासियों को इसका लाभ मिल सके। आप इस बात की सराहना करेंगे की इस अंग दान पंजीकरण अभियान के माध्यम से अंग विफलता से पीड़ित लाखों लोगों के जीवन को बचाने में मदद की जा सकती है।

अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि अपने राज्य और केंद्रशासित प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों के बीच अंगदान के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने और उनके भ्रम को दूर करने के लिए उपरोक्त उद्धृत जानकारी को अपने राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को अग्रेषित करें जिससे की युवाओं को अंगदान प्रतिज्ञा के लिए प्रेरित करके इस अंगदान प्रतिज्ञा के देशव्यापी अभियान से जोड़ा जा सके। हम सब अंगदान को अपने जीवन में अपनाये और सदियों से चली आ रही हमारी दान देने और दूसरों की मदद करने की परंपरा को और आगे बढ़ाएं।

सादर ,

आपका

(डॉ.मनसुख मांडविया)

संलग्नक: यथोपरि।

श्री कलराज मिश्र,
राज्यपाल, राजस्थान
राज भवन, सिविल लाइन्स,
जयपुर- 302006

अनुलग्नक /Annexure

अंगदान प्रतिज्ञा के पंजीकरण हेतु क्यूआर कोड /
QR Code for Registraion of Organ Donation Pledge

